Date: 21.2.2022	**Publication:** Dainik Bhaskar
Page no.: 9 | 5 | 8	**Edition:** New Delhi | Indore | Chandigarh | Jaipur
Headline: All you must know about cumulative bonus under health insurance	

बीमा की बात बिना किसी अतिरिक्त लागत ज्यादा बीमा राशि प्राप्त करने का एक अच्छा तरीका

स्वास्थ्य बीमा के संचयी बोनस के बारे में जानें जरूरी बातें

मौजूदा महामारी ने हमें हमारे नाजुक इकोसिस्टम को सामने ला दिया है। इसने अच्छे रिस्क मैनेजमेंट और फाइनेंशियल प्लानिंग की आवश्यकता को एक वक्त की जरूरत बना दिया है। अच्छी फाइनेंशियल प्लानिंग के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है हेल्थ इंश्योरेंस। हेल्थ इंश्योरेंस आपको अपने मेडिकल खर्चों अस्पताल में भर्ती होने की लागत, कंसल्टिंग फीस, एम्बुलेंस शुल्क आदि को कवर करके वित्तीय राहत प्रदान करता है। हेल्थ इंश्योरेंस में कई दिलचस्प और मूल्यवान विशेषताएं हैं जो आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती हैं, ऐसी ही एक विशेषता संचयी (क्युमुलेटिव) बोनस है।

आइए समझते हैं कि संचयी बोनस कैसे काम करता है। मान लीजिए आपकी बीमा राशि 10 लाख रुपए है और आपका बीमाकर्ता पहले दावा-मुक्त वर्ष के लिए 5% बोनस देता है। इसका अर्थ है कि आपकी बीमा राशि बढ़कर 10.50 लाख रुपए हो जाएगी। इसी तरह, दूसरे दावा-मुक्त वर्ष के लिए यह बीमा राशि बढ़कर 11 लाख रुपए हो जाएगी। बीमित राशि में वृद्धि के लिए कोई निश्चित या साल के हिसाब से स्लैब नहीं होता है और यह अलग-अलग बीमा कंपनी और प्रोडक्ट में अलग अलग होता है। वर्तमान में, कुछ हेल्थ इंश्योरेंस योजनाएं हैं जो बीमित राशि को अधिकतम 150-200 फीसदी तक बढ़ाने की अनुमति देती हैं।

संचयी बोनस की एक दिलचस्प विशेषता यह है कि यदि आप किसी विशिष्ट वर्ष के दौरान दावा भी करते हैं तो आप अपना पूरा बोनस नहीं खोएंगे। बोनस उसी दर से घटाया जाएगा, जिस दर पर उसे दिया गया था। उदाहरण के लिए, यदि आपका बीमाकर्ता प्रत्येक दावा-मुक्त वर्ष के लिए आपकी मूल बीमा राशि पर 10% बोनस दे रहा है और आपने लगातार पांच वर्षों तक कोई दावा नहीं किया है तो आपकी बीमा राशि में 50% की वृद्धि हुई होगी। अब, यदि आप छठे वर्ष में दावा करते हैं, तो आपकी बीमा राशि केवल 10% घटेगी। साथ ही, बीमाकर्ता केवल बोनस बीमा राशि से ही कटौती कर सकता है, न कि मूल बीमा राशि से।

संचयी बोनस हर योजना में उपलब्ध नहीं होता है। इसके अलावा, बोनस लिमिट और दर अलग-अलग कंपनियों में भिन्न होती है। आपको संचयी बोनस से संबंधित नियम और शर्तें स्पष्ट रूप से पढ़नी चाहिए ताकि यह समझ सकें कि अधिकतम कितना बोनस जमा किया जा सकता है, किस दर पर बोनस दिया जाएगा, और इससे संबंधित कोई अन्य शर्त हैं भी या नहीं। साथ ही, अब कुछ बीमाकर्ता पहले कुछ वर्षों के लिए उच्च संचयीबोनस की पेशकश करते हैं और उसके बाद के वर्षों में सामान्य दर ऑफर करते हैं।

संचयी बोनस बिना किसी अतिरिक्त लागत के ज्यादा बीमा राशि प्राप्त करने का एक अच्छा तरीका है। हालांकि, लगातार बढ़ती चिकित्सा महंगाई को ध्यान में रखते हुए, आपको ज्यादा बीमा राशि के लिए सिर्फ संचयी बोनस पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

क्या है संचयी बोनस?

हेल्थ इंश्योरेंस में संचयी बोनस से तात्पर्य उस रिवार्ड से है, जब आप पिछले पॉलिसी वर्ष में कोई क्लेम नहीं करते हैं। यह बोनस प्रत्येक दावा-मुक्त वर्ष के लिए वर्षों से एक निश्चित सीमा तक जमा होता रहता है और व्यक्तिगत और पारिवारिक फ्लोटर पॉलिसी दोनों पर लागू होता है। आमतौर पर, बीमाकर्ता बिना किसी अतिरिक्त प्रीमियम के आपकी बीमा राशि को एक निश्चित प्रतिशत तक बढ़ाकर यह रिवॉर्ड देता है।

आदित्य शर्मा, चीफ
डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस